पंजाब केसरी 16/11/2024

लैंगिक समानता पर जी.एम.एन. कॉलेज में हुआ कार्यक्रम

अम्बाला, 15 नवम्बर (बलराम): जी.एम.एन. कॉलेज, अम्बाला कैंट के वूमैन सैल और अंग्रेजी विभाग के परस्पर सहयोग से शुक्रवार को महिलाओं की लैंगिक समानता के विषय पर कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त के नेतृत्व में किया गया।

इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य गरीब तबके, समूहों और उन समुदायों को जागरूक करना था। जिससे वह यह समझ सके की महिलाओं को समान अधिकार और समान वेतन मिलना चाहिए और उनकी भागीदारी समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

लैंगिक समानता की खोज केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, यह एक सामाजिक मुद्दा है जिसमें सभी की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। पुरुषों, महिलाओं और सभी लैंगिक पहचान वाले व्यक्तियों को रूढ़िवादिता को खत्म करने, भेदभावपूर्ण प्रथाओं को चुनौती देने और समानता को बढ़ावा देने में भूमिका निभानी है। लैंगिक असमानताओं के बारे में जागरुकता बढ़ाना और समानता को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत करना बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थियों ने पोस्टर और नारों के द्वारा महिलाओं को जागरूक करने का प्रयास किया और सभी लोगों से बातचीत कर लैंगिंग समानता के भेदभाव को समाप्त करने की पहल की। सार्वजनिक अभियान, शिक्षा, सामाजिक दृष्टिकोण और मानदंडों को बदलने में यह नीतियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

लैंगिक समानता के विषय पर जागरूक करते हुए छात्र। (देवदत्त)

विद्यार्थियों ने और जी.एम.एन. कॉलेज के प्राध्यापकों डा. नीना, डा. नियति और डा. अमित ने लोगों को बताया कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि कानूनी ढांचे लिंग-आधारित भेदभाव से सुरक्षा प्रदान करें और समान अवसर प्रदान करें। इसमें समान वेतन और लिंग-संवेदनशील शिक्षा पाठ्यक्रम की वकालत करना शामिल है। जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थी लालकुर्ती से होते हुए बस स्टैंड और गरीब समुदाय के लोग जहां पर रहते हैं, वहां पर गए और इस सफल अभियान को चलाया।